BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (01.10.2024)

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 01.10.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू व उदय प्रताप कॉलेज वाराणसी के बीच एमओयू

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू और उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये. विवि के नूतन अतिथि गृह में एमओयू पर उदय प्रताप महाविद्यालय के आइक्यूएसी समन्वयक प्रो नरेंद्र प्रताप सिंह व बीआरएबीयू की तरफ से आइक्यूएसी के निदेशक प्रो कल्याण झा ने हस्ताक्षर किये.एमओयू के बाद कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने कहा कि उदय प्रताप महाविद्यालय से हुए समझौते के क्रियान्वयन के लिए हमारा विवि कार्य करेगा. दोनों संस्थानों के सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने का कार्य किया जाएगा. प्रो नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह समझौता शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में सहयोग के लिए किया गया है. प्रो कल्याण झा ने कहा कि वीसी प्रो दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों से एमओयू हो चुका है. मौके पर कुलानुशासक प्रो बीएस राय, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो शिवानंद सिंह, प्रो अरविंद, प्रो रामकुमार, डॉ नवेदुल हक, डॉ पंकज चौरसिया, डॉ अभयानंद, डॉ सुशांत, डॉ पिनाकी लाहा, डॉ विदिशा मिश्रा, डॉ कौशल झा, डॉ राजेश्वर, डॉ अमर बहादुर शुक्ला, डॉ अर्चना सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय मे एमओयू के दौरान मौजूद कुलपति व अन्य.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 01.10.2024, PAGE-04

छात्र संवाद में उठा पेंडिंग व अंकपत्र नहीं मिलने का मुद्दा, जिम्मेदार बोले-हफ्ते भर में कर देंगे ठीक

एक वर्ष लगवाये चक्कर, फिर से दिया आश्वासन

- सीनेट चुनाव से पिछले सप्ताह नहीं हुआ था आयोजन, इस संवाद में पहुंचे अधिक छात्र-छात्राएं

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

सर...मैं 2019-22 का छात्र रहा हूं. फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण किए करीब डेढ़ वर्ष बीत चुके हैं, पर अबतक मेरा रिजल्ट ठीक नहीं है. एक वर्ष में बेतिया से तीन बार आकर आवेदन दे चुका हूं, पर इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. इससे कैरियर अंधकारमय हो रहा है. परिजनों से भी डांट सुन रहा हूं. बीआरएबीयू के अतिथि गृह में आयोजित छात्र संवाद में बेतिया से पहुंचे एमजेके कॉलेज के छात्र रजत कुमार गुप्ता ने ये बातें परीक्षा नियंत्रक से कहीं. उन्होंने कहा कि 20 मई को परीक्षा परिणाम आया था. इसमें द्वितीय वर्ष का अंक नहीं जुटा था. इसमें सुधार के लिए 11 सितंबर 2023, 24 अप्रैल 2024 व 25 जून को आवेदन दिया था. हर बार कहा गया कि रिजल्ट ठीक हो जाएगा, पर अबतक ठीक नहीं हुआ. परीक्षा नियंत्रक ने एक सप्ताह में रिजल्ट सुधार कर पोर्टल पर इसे प्रदर्शित करने का आश्वासन दिया. आरएलएसवाइ कॉलेज, बेतिया के छात्र उमंग राज ने भी अंक नहीं जोड़े जाने के कारण पेंडिंग रिजल्ट की शिकायत की. वे सत्र 2023-27 के छात्र हैं. प्रथम सेमेस्टर में उनका एक पेपर का अंक ही नहीं चढ़ाया गया है, जबकि वे मेमो और उपस्थिति पत्रक की कॉपी भी जमा कर चुके हैं. एसएलके कॉलेज सीतामढ़ी के छात्र मो जहांगीर को डिग्री की आवश्यकता है. इसके लिए वे छात्र संवाद में आवेदन लेकर पहुंचे थे. आरबीबीएम कॉलेज की डेढ़ दर्जन से अधिक छात्राएं द्वितीय वर्ष की कॉपी जांच में गड़बड़ी की शिकायत की. कहना था कि उन्हें दो से 11 अंक तक दिया गया है. अधिकतर छात्राएं प्रमोटेड हैं. ऐसे में कॉपियों की फिर से जांच होनी चाहिए. कई छात्रों ने अंकपत्र नहीं मिलने की शिकायत की. विवि में जांच करने पर पता चला कि अंकपत्र कॉलेजों को भेजा जा चुका है. इसके बाद भी वे छात्रों को अंकपत्र देने में आनाकानी की जा रही है. संवाद में डीएसडब्ल्यू प्रो आलोक प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुबालाल पासवान समेत विभाग के अन्य कर्मचारी थे.

छुट्टी के बाद प्राचार्यों के साथ की जायेगी बैठक

छात्रों को अंकपत्र व प्रमाणपत्र देने में कॉलेजों की ओर से की जा रही लापरवाही, कॉलेजों के असहयोग व अन्य बिंदुओं पर दुर्गापूजा की छुट्टी के बाद बैठक होगी. इसमें अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों को बुलाया जाएगा. बताया गया कि सत्रवार इंटरनल व प्रायोगिक परीक्षा का अंक नहीं भेजे जाने के कारण हो रही पेंडिंग की समस्या को दूर करने के साथ ही अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की जाएगी.

सोमवार को विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस में परेशानी बताते विद्यार्थी.

बाढ़ में फंसने से दर्जनों छात्र परीक्षा से हुए वंचित

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से चल रही एलएलबी और प्री लॉ की परीक्षा में बाढ़ में फंसने के कारण कई छात्र-छात्राएं सोमवार को उपस्थित नहीं हो सके. अभिषेक कुमार समेत अन्य कई छात्रों ने इस पेपर की परीक्षा फिर से लेने या उन्हें अलग से मौका देने की मांग की है. छात्रों ने विश्वविद्यालय से मार्मिक अपील की है. कहा है कि सीतामढ़ी जिला भीषण बाढ़ की चपेट में है. रविवार की रात घर में पानी घुस आया और एडमिट कार्ड भी उसमें बह गया है. चारों ओर से वे पानी से घिरे हैं. ऐसे में परीक्षा देने नहीं पहुंच सके. उन्होंने इसपर विश्वविद्यालय प्रशासन को विचार करने की मांग की है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-04

शोधार्थी लाइब्रेरी में जरूर पढ़ें, शोध मौलिक रहे, इसका हो ख्याल : वीसी

- विवि के पीजी इतिहास विभाग में प्रमाणपत्र वितरण समारोह सह व्याख्यान का आयोजन

प्रतिनिधि संवाददाता, मुजफ्फरपुर

इतिहास विभाग में कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति.

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी इतिहास विभाग में प्री-पीएचडी कोर्सवर्क प्रतिभागियों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया. इस मौके पर समारोह और व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने की. शोधार्थियों को कहा कि वे पुस्तकालय जाकर पढ़ने की आदत डालें. शोध में मौलिकता हो इसपर विशेष ध्यान दें. उन्होंने सभी छात्रों को अपने गुरु के प्रति समर्पण की भावना रखने की बात कही. कुलानुशासक प्रो विनय शंकर राय ने शोधार्थियों को पीएचडी से संबंधित सिनॉप्सिस, आर्टिकल व थीसिस खुद से लिखने की सलाह दी. इसके बाद विभाग में डॉ एचआर घोषाल व्याख्यानमाला के अंतर्गत दो अलग व्याख्यान आयोजित किए गये. भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आयाम विषय के मुख्य वक्ता डॉ धर्मेंद्र कुमार थे. उन्होंने भारतीय संस्कृति की जड़ों व उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर विचार किया. कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद केवल विचारधारा नहीं, बल्कि वह एक ऐसा आंदोलन है जो भारतीय विविधता को एकता में पिरोता है. सांस्कृतिक पतन के संदर्भ में ऐतिहासिक घटनाओं का भी उल्लेख किया. वहीं दूसरे व्याख्यान का विषय 'आधुनिक बिहार के इतिहास लेखन की समीक्षा : तथ्य की भूल के संदर्भ में' था. इसमें डॉ राजू रंजन प्रसाद ने बिहार के इतिहास लेखन में तथ्यों की प्रामाणिकता पर प्रकाश डाला. कहा कि कई बार इतिहासकार तथ्यों को अपने पूर्वाग्रहों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं. इससे वास्तविकता को समझने में बाधा उत्पन्न होती है. डॉ प्रसाद ने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि इतिहास लेखन में सत्यता का अभाव कई सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं को जन्म देता है. धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रो रेणु ने किया. कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रो पंकज राय, डॉ सत्य प्रकाश राय, डॉ गौतम चंद्रा, डॉ अर्पणा पाण्डेय, डॉ अमानुल्लाह, शोधार्थी हिमांशु, मनिरंजन, अनुराग, अन्य सहित विद्यार्थी मौजूद रहे.

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR,
DATE : 01.10.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू व उदय प्रताप कॉलेज के बीच एमओयू

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू और उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी के बीच सोमवार को विश्वविद्यालय नूतन अतिथि गृह में एमओयू किया गया। एमओयू पर उदय प्रताप महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह एवं बीआरएबीयू की तरफ से आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने हस्ताक्षर किये। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि उदय प्रताप महाविद्यालय से हुए समझौते को गंभीरतापूर्वक क्रियान्वयन हेतु हमारा विश्वविद्यालय कार्य करेगा। इस मौके पर कुलानुशासक प्रो. बीएस राय, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शिवानंद सिंह, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. रामकुमार, डॉ. नवेदुल हक, डॉ. पंकज आदि थे।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-04

छात्र पुस्तकालय जाकर पढ़ने की आदत डालें : वीसी

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के पीजी इतिहास विभाग में सोमवार को प्री-पीएचडी कोर्स वर्क प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र का वितरण समारोहपूर्वक किया गया। इस मौके पर व्याख्यानमाला का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने प्री-पीएचडी कोर्स वर्क-2021 के सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया। उन्होंने शोधार्थियों को पुस्तकालय जाकर पढ़ने की आदत डालने और मौलिक शोध करने पर जोर दिया।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 01.10.2024, PAGE-06

वैदिक सभ्यता से शुरू हुआ भारत का सांस्कृतिक विकास

विश्वविद्यालय पीजी इतिहास विभाग में व्याख्यानमाला में एलएनएमयू के इतिहास विभाग के पूर्व प्राध्यापक डा. धर्मेंद्र कुमार ने समझाया राष्ट्रवाद

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: एलएनएमयू इतिहास विभाग के पूर्व प्राध्यापक डा. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद केवल एक विचारधारा नहीं बल्कि यह एक ऐसा आंदोलन है जो भारतीय विविधता को एकता में पिरोता है। भारतीय संस्कृति ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया है और समय के साथ विकसित हुई है। कहा कि वैदिक सभ्यता से सांस्कृतिक विकास शुरू हुआ है। समानता के कारण जगी चेतना को ही राष्ट्रवाद कहते हैं। भारत की संस्कृति की विशालता के कारण हीं बाह्य आक्रमणकारियों ने भी इसे अपनाया। संस्कृति हमें आगे बढ़ने की चेतना देती है और हमें इस पर गर्व है। वे सोमवार को विश्वविद्यालय इतिहास विभाग में डा. एचआर घोषाल व्याख्यानमाला के तहत भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आयाम पर बोल रहे थे। दूसरे व्याख्यान आधुनिक बिहार के इतिहास लेखन की समीक्षा विषय पर डा. राजू रंजन प्रसाद ने बिहार के इतिहास लेखन में तथ्यों की प्रस्तुति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई बार इतिहासकार तथ्यों को अपने पूर्वाग्रहों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे इतिहास लेखन में सत्यता का अभाव कई सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं को जन्म देता है। विभाग में प्री पीएचडी कोर्सवर्क प्रतिभागियों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। कुलपति प्रो. डीसी राय ने कहा कि सभी शोधार्थीयों को पुस्तकालय जाकर पढ़ने की आदत डालने और मौलिक शोध करने पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभागाध्यक्षा प्रो. रेणु कुमारी ने किया। मौके पर प्राक्टर प्रो. बीएस राय, इतिहास विभाग के प्रो. पंकज कुमार राय, डा. सत्य प्रकाश राय, डा. गौतम चंद्रा, डा. अर्चना पाण्डेय, डा. अमानुल्लाह, शोधार्थी हिमांशु, मणिरंजन, अनुराग, अन्नु सहित सैंकड़ों शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित हुए।

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग मे सेमिनार मे बोलते कुलपति प्रो. डीसी राय • जागरण

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-06

सर ! कालेजों में नहीं पहुंच रहे अंकपत्र

अंकपत्र व पेंडिंग रिजल्ट की समस्या लेकर **छात्र संवाद** में पहुंचे विद्यार्थियों की पीड़ा

- कालेज व विश्वविद्यालय के बीच [illegible]
- परीक्षा नियंत्रक ने कई कालेजों के [illegible] से फोन पर ली जानकारी
- छात्र-छात्राओं की समस्याओं के [illegible] का दिया आश्वासन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कालेजों में अंकपत्र नहीं पहुंच रहे हैं। [illegible]

[illegible] • जागरण

तीन बार दिया आवेदन, नहीं मिला रिजल्ट

[illegible] 2019-22 [illegible]

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-04

विश्वविद्यालय ने किया एक और एमओयू

मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने उदय प्रताप महाविद्यालय वाराणसी के साथ एमओयू किया है। सोमवार को विश्वविद्यालय न्यू गेस्ट हाउस में उदय प्रताप महाविद्यालय के आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह व बीआरए. बिहार विश्वविद्यालय के नैक निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने हस्ताक्षर किया। कुलपति प्रो. डीसी राय ने कहा कि दोनों संस्थानों के परस्पर सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिलेगी। (जासं)

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 01.10.2024, PAGE-07

शोध छात्रों को मिला कोर्स वर्क का सर्टिफिकेट : डॉ. एचआर घोषाल व्याख्यानमाला में हुए दो व्याख्यान

छात्र-छात्रा और शोधार्थी पुस्तकालय में जाकर पढ़ने की आदत डालें और मौलिक शोध करें : कुलपति

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग में आयोजित संगोष्ठी में बोलते कुलपति।

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग में सोमवार को प्री पीएचडी कोर्सवर्क प्रतिभागियों का प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कोर्स वर्क-2021 के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए। उन्होंने सभी शोधार्थियों को पुस्तकालय जाकर पढ़ने की आदत डालने और मौलिक शोध करने के सुझाव दिए। कुलानुशासक प्रो. विनय शंकर राय ने भी सभी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें पीएचडी से संबंधित सिनॉप्सिस, आर्टिकल व थीसिस खुद से लिखने की सलाह दी। दूसरे सत्र में डॉ. एचआर घोषाल व्याख्यानमाला के अंतर्गत व्याख्यान आयोजित किए गए। पहले व्याख्यान का विषय भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आयाम था। मुख्य वक्ता डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद केवल एक विचारधारा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा आंदोलन है जो भारतीय विविधता को एकता में पिरोता है। दूसरे व्याख्यान का विषय **आधुनिक बिहार के इतिहास लेखन की समीक्षा** : तथ्य की भूल के संदर्भ में था। मुख्य वक्ता डॉ. राजू रंजन प्रसाद ने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे इतिहास लेखन में सत्यता का अभाव कई सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं को जन्म देता है। धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. रेणु कुमारी ने किया। मौके पर इतिहास विभाग के प्रो. पंकज राय, डॉ. सत्य प्रकाश राय, डॉ. गौतम चंद्रा, डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. अमानुल्लाह समेत सैकड़ों शोधार्थी और विद्यार्थी थे।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-07

टीडीसी फाइनल में सेकेंड ईयर का मार्क्स जुड़वाने के लिए डेढ़ वर्ष से दौड़ रहा छात्र

छात्र संवाद में शिकायत : 3 बार दिया आवेदन, रिजल्ट पेंडिंग नहीं सुधरा

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के छात्र संवाद में शिकायत के बाद भी पेंडिंग और डिग्री से जुड़ी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। दो सप्ताह बाद सोमवार को विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में आयोजित संवाद में कई छात्र-छात्राओं ने दूसरी या तीसरी बार आवेदन देने की बात कही। वहीं, कॉलेजों से अंकपत्र नहीं मिलने की शिकायत भी कई छात्रों ने की, जिस पर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। बेतिया से आए एमजेके कॉलेज के छात्र रजत गुप्ता ने बताया कि वे 2019-22 के छात्र हैं। करीब डेढ़ साल पहले रिजल्ट आया, जिसमें पेंडिंग कर दिया गया। वे 3 बार विश्वविद्यालय में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन रिजल्ट में सुधार नहीं हुआ। बताया कि सेकेंड ईयर का मार्क्स जोड़कर फाइनल रिजल्ट जारी करना है। इसके लिए 11 सितंबर 2023, 24 अप्रैल 2024 और 25 जून को आवेदन दिया। हर बार यही कहा गया कि परिणाम ठीक हो जाएगा। आरएलएसवाई कॉलेज बेतिया के छात्र उमंग राज ने बताया कि वे सत्र 2023-27 के छात्र हैं। प्रथम सेमेस्टर में उनका एक पेपर का अंक नहीं चढ़ा है, जिसके कारण रिजल्ट पेंडिंग है। एसएलके कॉलेज सीतामढ़ी के छात्र मो. जहांगीर डिग्री के लिए छात्र संवाद में आवेदन लेकर आए थे।

कॉपी जांच में गड़बड़ी की शिकायत लेकर पहुंचीं छात्राएं

आरबीबीएम कॉलेज की डेढ़ दर्जन से अधिक छात्राएं द्वितीय वर्ष की कॉपी जांच में गड़बड़ी की शिकायत लेकर पहुंची थीं। उनका कहना था कि उन्हें दो से 11 अंक तक दिया गया है। इसके चलते अधिकतर छात्राएं प्रमोटेड हैं। छात्राओं ने कॉपी की फिर से जांच कराने की मांग की। उधर, कई छात्रों ने अंकपत्र नहीं मिलने की शिकायत की। छात्रों का कहना था कि कॉलेज अंकपत्र देने में आनाकानी कर रहे हैं। छात्र संवाद में डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह व परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुधालाल पासवान समेत परीक्षा विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 01.10.2024, PAGE-07

बीआरएबीयू का उदय प्रताप कॉलेज के साथ एमओयू

मुजफ्फरपुर | बीआरएबीयू का सोमवार को उदय प्रताप महाविद्यालय वाराणसी के साथ शैक्षणिक समझौता हुआ। विश्वविद्यालय के नए गेस्ट हाउस में

एमओयू पर उदय प्रताप महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह और विश्वविद्यालय आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने हस्ताक्षर किया। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि दोनों संस्थानों के परस्पर सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने का कार्य किया जाएगा। प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह समझौता शोध व अकादमिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक व विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में सहयोग के लिए किया गया है। मौके पर कुलानुशासक प्रो. बीएस राय, विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. शिवानंद सिंह, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. रामकुमार, डॉ. नवेदुल हक, डॉ. पंकज चौरसिया, डॉ. अभयानंद, डॉ. सुशांत कुमार, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. विदिशा मिश्रा, डॉ. कौशल झा, डॉ. राजेश्वर कुमार, डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, डॉ. अर्चना आदि थे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए एमओयू जरूरी : कुलपति प्रो० डी०सी० राय

मुजफ्फरपुर। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहारविश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी के मध्य एमओयू विश्वविद्यालय नूतन अतिथि गृह में किया गया. एमओयू पर उदय प्रताप महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह एवं बी. आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की तरफ से आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कल्याण कुमार झा ने हस्ताक्षर किया. एमओयू के पश्चात कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि उदय प्रताप महाविद्यालय से हुए समझौते को गंभीरता पूर्वक क्रियान्वयन हेतु हमारा विश्वविद्यालय कार्य करेगा तथा दोनों संस्थानों के परस्पर सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने का कार्य किया जाएगा. कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए एमओयू जरुरी कदम है. समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान उदय प्रताप महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह समझौता शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में परस्पर सहयोग के लिए की गई है. प्रो.कल्याण कुमार झा ने इस समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र राय के नेतृत्व में लगभग दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों से एमओयू हो चुका है. समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान कुलानुशासक प्रो. बी. एस. राय, विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. शिवानंद सिंह, प्रो.अरविंद कुमार, प्रो. रामकुमार, डॉ. नवेदुल हक़, डॉ. पंकज चौरसिया, डॉ. अभयानंद, डॉ. सुशांत कुमार, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. विदिशा मिश्रा, डॉ. कौशल झा, डॉ. राजेश्वर कुमार, डॉ. अमर बहादुर शुक्ला, डॉ. अर्चना सहित अन्य लोग उपस्थित रहें.

बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं यू०पी० कॉलेज, वाराणसी के बीच अकादमिक करार